नाम- ______________

सच्ची खुशी

शर्मा परिवार एक छोटे से शहर में रहता था। पिता रमेश एक शिक्षक थे और माता सविता गृहिणी थीं। उनके दो बच्चे थे — रिया और अर्जुन। रमेश जी हर महीने की बचत से अपने बच्चों के लिए खिलौने, कपड़े और किताबें खरीदते थे, लेकिन एक दिन रिया ने पूछा, "पापा, आप अपने लिए कुछ क्यों नहीं खरीदते?"

रमेश मुस्कराए और बोले, "बेटा, मुझे सबसे ज़्यादा खुशी तब मिलती है जब तुम मुस्कराते हो।" सविता जी ने भी समझाया, "सच्ची खुशी केवल पाने में नहीं, बल्कि देने में है।"

उस दिन अर्जुन ने अपने गुल्लक से पैसे निकाले और कहा, "पापा, अगली बार जब हम बाज़ार चलें, आप अपने लिए कुछ ज़रूर खरीदिए।" बच्चों ने समझा कि प्यार और त्याग से परिवार मजबूत बनता है।

प्रश्न:

1. शर्मा जी क्या काम करते थे?

उत्तर: ______________________________

2.रिया ने अपने पापा से क्या पूछा?

उत्तर: ______________________________

3.रमेश जी को सच्ची खुशी कब मिलती है?

उत्तर: ______________________________

4.इस कहानी से हमें क्या सिखने को मिलता है?

उत्तर:

____